UPSC Daily Current Affairs 11 AUG 2021

पहला इंटरनेट शासन मंच

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, राष्ट्रीय भारतीय इंटरनेट एक्सचेंज (NIXI), इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और समन्वय समिति के अध्यक्ष ने पहले भारतीय इंटरनेट शासन मंच 2021 (IGF) की शुरुआत की है।

इंटरनेट शासन मंच के बारे में जानकारी

- यह एक इंटरनेट शासन नीति चर्चा प्लेटफार्म है जिसका उद्देश्य विभिन्न समूहों के प्रतिनिधियों को आपस में एक साथ लाना है जिसमें सभी को बराबर समझा जाएगा। इस मंच पर वे इंटरनेट से संबंधित सार्वजनिक नीति मुद्दों पर चर्चा करेंगे।
- इसे इंटरनेट शासन के बहु हितधारक मॉडल के रूप में अविहित किया जाता है, जो इंटरनेट की सफलता की प्रमुख विशेषता रही है।

थीम

- IGF-2021 की थीम **"डिजिटल भारत के समावेशी इंटरनेट" है।**
- बहु हितधारक संकल्पना को IGF (इंटरनेट शासन मंच) द्वारा अच्छी तरह से अपनाया गया है जो **संयुक्त राष्ट्र के अंतर्गत कार्य करता है और दिए गए नामों और संख्याओं (ICANN) के लिए इंटरनेट निगम के अंतर्गत कार्य करता है।**
- **इसे 16 दिसंबर 2015 को संयुक्त राष्ट्र आमसभा द्वारा अपनाया गया था।**

महत्व

- भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा ब्रॉडबैंड ग्राहकों वाला देश है और इसका प्रति महीने प्रति प्रयोगकर्ता सबसे ज्यादा डाटा उपभोग है।
- यह इस बात पर कायम रहने के लिए कि ब्रॉडबैंड की वृद्धि भारतीय समुदाय की जीवनशैली और जरूरतों का पालन करने को सुनिश्चित करती है, एक सही पहल है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- IIGF 2021 वैश्विक IGF की सच्चा भावना के अनुसार समारोहों को आयोजित करने में बहु हितधारक संकल्पना को अपना रहा है।
- यह सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों दोनों में ही नीति निर्माण शक्ति वाले लोगों को सूचना देता है और प्रेरित करता है।

संबंधित सूचना

दिए गए नामों और संख्याओं के लिए इंटरनेट निगम (ICANN) के बारे में जानकारी

- दिए गए नामों और संख्याओं के लिए इंटरनेट निगम (ICANN) एक अंतरराष्ट्रीय तौर पर संगठित, गैर लाभकारी निगम है।
- इसके ऊपर इंटरनेट प्रोटोकॉल (IP) एड्रेस स्थान आवंटन, प्रोटोकॉल आईडेंटीफायर एसाइनमेंट, जेनेरिक (Gtld) और कंट्री कोड (ccTLD) टॉप लेवल डोमेन नेम प्रणाली प्रबंधन, और रूट सर्वर प्रणाली प्रबंधन कार्य की जिम्मेदारी है।
- ये सेवाएं मूल रूप से इंटरनेट एसाइंड नंबर्स एथॉरिटी (IANA) और अन्य संस्थाओं द्वारा संयुक्त राज्य अमेरिका की सरकार की संविदा के अंतर्गत की जाती थीं।

ICANN अब IANA का कार्य करता है।

निजी-सार्वजनिक साझेदारी के रूप में, ICANN निम्न के संरक्षण के लिए समर्पित है

a. इंटरनेट की संचालनात्मक स्थिरता;
b. प्रतियोगिता को प्रोत्साहन देना;
c. वैश्विक इंटरनेट समुदायों के वृहद् प्रतिनिधित्व को हासिल करना;
d. नीचे से ऊपर, सहमति आधारित प्रक्रियाओं के जरिए अपने मिशन के लिए उपयुक्त नीति का विकास करना

उज्ज्वला 2.0 योजना

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series ENROL NOW

- प्रधानमंत्री ने हाल में उज्ज्वला 2.0 (प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना-PMUY) की महोबा उत्तर प्रदेश में शुरुआत की है।

उज्ज्वला 2.0 योजना में नए परिवर्तन

केवल स्व-घोषणा

- उज्ज्वला 2.0 (प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना) के अंतर्गत प्रवासी मजदूरों को गैस कनेक्शन हासिल करने के लिए निवास प्रमाणपत्र दस्तावेज हासिल करने के लिए अब संघर्ष नहीं करना पड़ेगा।
- अब प्रवासी मजदूरों को गैस कनेक्शन हासिल करने के लिए अपने आवासीय पते का स्व-घोषणपत्र देना होगा।
- जमा मुक्त LPG कनेक्शन के साथ, **उज्ज्वला 2.0 लाभकर्ताओं को मुफ्त में पहली रिफिल और हॉटप्लेट (स्टोव) उपलब्ध कराएगा।**

उज्ज्वला योजना के बारे में जानकारी

- इस योजना की शुरुआत प्रधानमंत्री द्वारा 2016 में की गई थी जिसका लक्ष्य गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों की 5 करोड़ महिला सदस्यों को जमामुक्त LPG कनेक्शन उपलब्ध कराना था।
- बाद में, अप्रैल 2018 में योजना का विस्तार करके सात और श्रेणियों (SC/ST, PMAY, AAY, अति पिछड़ा वर्ग, चाय बागान, वन निवासियों इत्यादि) से महिला लाभकर्ताओं को शामिल किया गया।
- लक्ष्य को संशोधित करके 8 करोड़ LPG कनेक्शन कर दिया गया था और यह लक्ष्य अगस्त 2019 में हासिल कर लिया गया, जो लक्ष्य की तिथि से सात महीने पूर्व था।

नोडल एजेंसी

- इसका क्रियान्वयन केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा किया जा रहा है।

मारबुर्ग वायरस

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- गिनी ने हाल में मारबुर्ग वायरस रोग के एक मामले की पुष्टि की है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

मारबुर्ग रोग के बारे में जानकारी

- यह एक अत्यंत विषैला रोग है जिसके वाहक चमगादड़ होते हैं और इससे **मृत्यु दर 88 प्रतिशत तक है।**
- यह वायरस इबोला से संबंधित है और जानवर अतिथि से मानवों में प्रवेश कर जाता है, जैसे कि कोरोनावायरस।

संप्रेषण

- अतिथि जानवर से मानवों में वायरस के प्रारंभिक गमन के बाद, संप्रेषण व्यक्ति से व्यक्ति के संपर्क के द्वारा होता है।
- संप्रेषण तब संक्रमित व्यक्तियों के **शारीरिक द्रवों की बूंदों के प्रत्यक्ष संपर्क के द्वारा हो सकता है, अथवा संक्रमित रक्त अथवा ऊतक के साथ संदूषित उपकरण और अन्य वस्तुओं के साथ संपर्क के द्वारा भी हो सकता है।**
- **WHO के अनुसार, प्रारंभिक तौर पर इस रोग के साथ मानव संक्रमण राऊसेट्टूज़ चमगादड़ कॉलोनियों वाली खानों अथवा गुफाओं से लंबे संपर्क का परिणाम होता है।**

लक्षण

- लक्षण की शुरुआत- 5-10 दिनों की इन्क्यूबेशन अवधि के बाद- यह अचानक होता है और इसकी शुरुआत बुखार, जाड़ा लगने, सिरदर्द, और वात रोग के साथ होती है।
- **प्रभावित लोग मांसपेशियों के दर्द का अनुभव कर सकते हैं।**
- जी मिचलाना, उल्टी होना, सीने में दर्द, गले में खराश, पेट दर्द, और अतिसार तीसरे दिन से शुरू हो सकते हैं।
- सीने, पीठ और पेट पर बिना खुजली वाले दाने पड़ सकते हैं।
- लक्षण धीरे-धीरे गंभीर हो जाते हैं और इसमें पीलिया, अग्नाशय में सूजन, वजन में तेजी से कमी, सिर चकराना, झटका, यकृत का असफल हो जाना, जबर्दस्त खून बहना और कई अंगों में गड़बड़ी जैसे लक्षण हो सकते हैं।

क्या रोग का उपचार हो सकता है?

- अभी तक, मारबुर्ग वायरस रोग का कोई सिद्ध उपचार उपलब्ध नहीं है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- लेकिन, रोग नियंत्रण और निवारण केंद्र (CDC) ने व्याख्या की है कि समर्थन वाली अस्पताल की थेरेपी, ऑक्सीजन और रक्तचाप के स्तर को बनाए रखना, निकले हुए रक्त और रक्त के थक्के को विस्थापित करना और किसी जटिल संक्रमणों के लिए उपचार बचने की आशा बढ़ा सकते हैं।

संबंधित सूचना

गिनी के बारे में जानकारी

- यह पश्चिमी अफ्रीका का देश है, जो अटलांटिक तट पर स्थित है।

भूगोल

- गिनी के उत्तर-पश्चिम में गिनी-बिसाऊ, उत्तर में सेनेगल, उत्तर-पूर्व में माली, दक्षिण-पूर्व में कोटे डि आइवर और दक्षिण में लाइबेरिया और सिएरा लियोन हैं। अटलांटिक महासागर इसके पश्चिम में स्थित है।

प्राकृतिक संसाधन

- गिनी के पास दुनिया के अधिकांश बॉक्साइट रिज़र्व हैं, साथ ही आयरन, सोना और हीरे प्रचुर मात्रा में हैं।

gradeup

अल-मोहेद अल-हिंदी 2021 अभ्यास

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III-रक्षा, स्रोत- AIR)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, भारत और सऊदी अरब ने जुबैल बंदरगाह के पास पहला नौसेनिक अभ्यास **'अल-मोहेद अल-हिंदी 2021' अभ्यास** शुरू किया।

अल-मोहेद अल-हिंदी 2021 अभ्यास के बारे में जानकारी

- अल-मोहेद अल-हिंदी में दोनों नौसेनाओं के बीच में समुद्री तट और समुद्र आधारित अभ्यास शामिल हैं।

उद्देश्य

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- **'अल-मोहेद अल-हिंदी 2021' अभ्यास** का मुख्य उद्देश्य दोनों नौसेनाओं के बीच में अंतरसंक्रियता और तालमेल में वृद्धि करना है।

संबंधित सूचना

- यह अभ्यास खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते हुए तनाव के बीच में हो रहा है। इसके पूर्व लगभग एक सप्ताह पूर्व यहां पर **ओमान के पास एक व्यापारिक टैंकर पर ड्रोन हमले से एक ब्रिटिश नागरिक और एक रोमानियाई नागरिक की मौत हो गई थी।**
- UK और US ने MV मर्कर स्ट्रीट पर हमले के लिए ईरान पर अंगुलियां उठाई थीं, जिसे एक इज़रायली स्वामित्व वाली फर्म संचालित करती है।
- तेहरान ने पहले ही आरोपों को खारिज कर दिया है।

चेहराविहीन ई-आकलन योजना

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- आयकर (I-T) विभाग ने हाल में शिकायतों को पंजीकृत करवाने के लिए चेहराविहीन ई-आकलन योजना के अंतर्गत तीन आधिकारिक ईमेल आईडी को अधिसूचित किया है।

पृष्ठभूमि

- केंद्रीय बजट 2019 में, वित्त मंत्री ने चेहराविहीन ई-आकलन योजना को लागू करने का प्रस्ताव रखा था।
- इस योजना का उद्देश्य करदाता और आयकर विभाग के बीच में मानव हस्तक्षेप का उन्मूलन करना है।
- यह योजना इलेक्ट्रॉनिक मोड के द्वारा चेहराविहीन आकलन करने की प्रक्रिया को निर्धारित करती है।
- 13 अगस्त 2020 से, 2019 की ई-आकलन योजना संशोधित हो गई और अब इसे चेहराविहीन आकलन योजना के नाम से जाना जाता है।

चेहराविहीन ई-आकलन योजना के बारे में जानकारी

- चेहराविहीन आकलन योजना केवल जांच आकलन और सर्वश्रेष्ठ निर्णय आकलन पर ही लागू होती है।

उद्देश्य

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- इस योजना का मुख्य उद्देश्य जहां तक संभव हो भौतिक मेलमिलाप को रोकना है, और इसलिए करदाता को हो सकता है कि व्यक्तिगत रूप से व्यवसाय से संबंधित जटिलताओं की व्याख्या करने का अवसर न मिले। यह भी संभव है कि वह विभिन्न स्थितियों की व्याख्या न कर पाए जो उसने आयकर रिटर्न भरते समय ली हैं।
- यह योजना उपयुक्त मामलों की अनुमति देता है जहां एक निश्चित सुनवाई जरूरी है, जिससे प्रोटोकॉलों का पालन करने के बाद, एक सुनवाई की जाती है।

चेहराविहीन ई-आकलन योजना की प्रमुख विशेषताएं

- डाटा एनालिटिक्स और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग करके केवल प्रणाली के द्वारा करदाता का चयन।
- क्षेत्रीय अधिकारक्षेत्र की समाप्ति
- मामलों का स्वतः यादृच्छिक आवंटन
- दस्तावेज पहचान संख्या (DIN) के साथ नोटिसों को केंद्रीय तौर पर जारी करना
- कोई भौतिक मेलमिलाप नहीं, आयकर कार्यालय जाने की जरूरत नहीं
- टीम आधारित आकलन और टीम आधारित समीक्षा
- एक शहर में प्रारूप आकलन आदेश, अन्य शहर में समीत्रा और तीसरे शहर में पहचान।

चेहराविहीन ई-आकलन में अपवाद वाले मामले

a. गंभीर बेईमानियां, प्रमुख कर वंचनाएं, संवेदनशील और छानबीन वाले मामले
b. अंतरराष्ट्रीय कर
c. काला धन कानून और बेनामी संपत्ति।

PM ने UNSC में समुद्री सुरक्षा बहस के लिए पांच सूत्रीय ढांचे का रेखांकन किया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने UN सुरक्षा परिषद में समुद्री सुरक्षा पर बहस की अध्यक्षता की।

प्रधानमंत्री ने बहस के लिए एक पांच सिद्धांत वाले ढांचे का रेखांकन किया।

a. समुद्री व्यापार पर बाधाओं को हटाना

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- इस संदर्भ में, प्रधानमंत्री ने SAGAR (क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और वृद्धि) को उजागर किया। यह क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा के लिए 2015 का भारतीय ढांचा है।

b. समुद्री विवादों का शांतिपूर्ण समाधान

- समुद्री विवादों को अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार शांतिपूर्वक सुलझाया जाना चाहिए।
- यह आपसी विश्वास और आत्मविश्वास को प्रोत्साहित करने और वैश्विक शांति और स्थिरता को सुनिश्चित करने के लिए काफी ज्यादा महत्वपूर्ण है।

c. समुद्री खतरों से संयुक्त रूप से निपटना

- तीसरे ढांचे ने देशों से कहा है कि वे बिना देश वाले लोगों और प्राकृतिक आपदाओं से पैदा होने वाले समुद्री खतरों से मिलकर निपटें।

d. सुरक्षा और संरक्षण

- चौथे ढांचे ने समुद्री पर्यावरण और समुद्री संसाधनों की सुरक्षा और संरक्षण का आह्वान किया।

e. जिम्मेदार समुद्री कनेक्टीविटी

- पांचवें ढांचे ने देशों से जिम्मेदार समुद्री कनेक्टीविटी के लिए कहा।
- यह चीन की बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव का संदर्भ था।

चिकित्सक-जनसंख्या अनुपात

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- स्वास्थ्य, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- नीति आयोग के सदस्य विनोद पॉल के अनुसार, भारत 2024 तक प्रति एक हजार जनसंख्या पर एक चिकित्सक की विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अनुशंसा को हासिल करने के मार्ग की ओर अग्रसर है।

खबरों में और भी है

- आर्थिक सर्वेक्षण 2019-20 ने देश में चिकित्सकों की कमी को दर्शाने वाले चिकित्सा अवसंरचना के संबंध में सूचना जारी की है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

वर्तमान परिदृश्य

- भारत में चिकित्सक-जनसंख्या अनुपात WHO की अनुशंसा 1:1000 की तुलना में 1:1456 है।

चिकित्सक-जनसंख्या अनुपात को घटाने की पहलें

- **आयुष्मान भारत योजना और जन आरोग्य योजना** वे कार्यक्रम हैं जो लोगों को सभी प्रकार की स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर देते हैं। साथ ही ये सार्वभौमिक स्वास्थ्य व्याप्ति की ओर भी एक कदम है, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं को वहनीय बनाया जा सके और स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुँच को सुनिश्चित किया जा सके।

आर्थिक सर्वेक्षण 2019-20

- आर्थिक सर्वेक्षण 2019-20 के अनुसार, **PHCs,** सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों **(CHCs)** और उप-केंद्रों की संख्या 2014 के 1,82,709 से बढ़कर 2018 में 1,89,784 हो गई है।
- आर्थिक सर्वेक्षण 2018-19 के अनुसार, PHCs को अवसंरचना और मानवशक्ति के संदर्भ में भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य मानक मानदंडों पर खरा उतरना चाहिए।
- 2019 के आर्थिक सर्वेक्षण ने दावा किया कि इन उपलब्धियों के अतिरिक्त, प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना ने औषधियों पर खर्च को घटाया है लेकिन इसकी मात्रा नहीं बताई।
- 2019 के आर्थिक सर्वेक्षण ने इस तथ्य का श्रेय भी लिया है कि औषधियों पर खर्च **2013-14 के 64.2 प्रतिशत से घटकर 2016-17 में 58.7 प्रतिशत रह गया है।**

किया गया खर्च

- जनवरी 2020 में 15वें वित्त आयोग द्वारा सौंपी गई रिपोर्ट के अनुसार, औषधियों पर खर्च के संदर्भ में भारत का 191 देशों में 182वां स्थान है।
- स्वास्थ्य पर सरकार द्वारा खर्च किए गए GDP का प्रतिशत भी वांछित लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में जाता हुआ नहीं दिखाई दे रहा है।
- **भारत ने GDP के 2.5 प्रतिशत तक स्वास्थ्य बजट को बढ़ाने का लक्ष्य रखा है।**
- वित्त आयोग को सौंपी गई रिपोर्ट ने कहा कि यद्यपि इसे 2025 तक हासिल नहीं किया जा सकेगा, आयोग द्वारा प्रस्तावित एक योजना को बनाना होगा, जिससे प्रत्येक वर्ष के लक्ष्य को तय किया जाए।
- **पिछले पांच वर्षों में, सरकार द्वारा स्वास्थ्य को आवंटित** GDP **का प्रतिशत 1.2 से 1.6 प्रतिशत के बीच में रहा है।**

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

ग्रेफीन ऑक्साइड

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- भारतीय वैज्ञानिकों ने कार्बन **(ग्रेफीन ऑक्साइड)** से बने कम्पोजिट कागज का विकास किया है जिसमें परिरक्षक (प्रिजर्वेटिव्स) मिलाए गए हैं। इनका प्रयोग लिफाफे के रूप में फलों की जिंदगी को लंबा करने के लिए किया जा सकता है।

यह कैसे कार्य करता है?

- सक्रिय ग्रेफीन ऑक्साइड लगे हुए अणुओं में तब परिरक्षकों को मिलाया गया।
- उच्च परिरक्षक वाले ग्रेफीन ऑक्साइड, जब कागज के रूप में निर्मित किये गए जिनका प्रयोग फल के लिफाफे के रूप में किया जाता है। ये सुनिश्चित करते हैं कि फल में कोई विषैला परिरक्षक न लगने पाए।
- लेकिन जब फल जब ज्यादा पक जाता है अथवा रोगाणुओं से ग्रस्त हो जाता है, तो अम्लों के स्रवण से अम्लता बढ़ जाती है। सिट्रिक और ऑक्ज़लिक अम्ल फलों के संरक्षण के लिए परिरक्षकों को जारी करते हैं।
- नहीं तो, परिरक्षक कार्बन लिफाफे के साथ ही रहते हैं।

संबंधित सूचना

- फल आसानी से खराब हो जाते हैं, इसलिए पैदा किए गए 50% फल बेकार हो जाते हैं, जिससे भारी नुकसान होता है। पारंपरिक संरक्षण में परिरक्षक पर रेज़िन, मोम अथवा खाने योग्य पॉलीमर का लेप लगा दिया जाता है, जिससे असाध्य स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

महत्व

- फलों को पारंपरिक डुबोने की विधि में, परिरक्षक फलों के साथ ही समाप्त हो जाते हैं, जबकि लिफाफों का फिर से प्रयोग फलों के अगले बैच के संरक्षण के लिए किया जा सकता है।
- इससे असाध्य विषैलेपन को घटाने में मदद मिलती है जिसका विकास फल डुबोने की विधि में किया गया है।
- इसमें, परिरक्षक लिफाफे उसी समय परिरक्षक को छोड़ते हैं जब जरूरत होती है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- लिफाफे का पुनर्प्रयोग किया जा सकता है, जो कि वर्तमान तकनीक के द्वारा संभव नहीं है।

ग्रेफीन के बारे में जानकारी

- यह एकल स्तर वाला कार्बन परमाणु है जो कि एक परमाणु मोटाई का होता है।
- यह ग्रेफाइट का निर्माणकारी ब्लॉक होता है।

गुण

- यह हीरे से भी ज्यादा कठोर होता है फिर भी रबड़ से ज्यादा लचीला होता है; इस्पात से ज्यादा कठोर लेकिन अल्म्युनियम से ज्यादा हल्का होता है।
- **ग्रेफीन सबसे ज्यादा ज्ञात मजबूत पदार्थ है।**

ग्रेफीन के अन्य गुण हैं:

- कमरे के तापमान पर सबसे कम प्रतिरोधकता वाला ज्ञात पदार्थ।
- उच्च ऊष्मा स्थिरता।
- उच्च लोच।
- उच्च विद्युतीय चालकता।
- कमरे के तापमान पर इलेक्ट्रान गतिमयता उच्च होती है।
- ग्रेफीन ऑक्साइड (GO) झिल्लियों का प्रयोग समुद्री जल से साधारण नमक को छानने के लिए किया जा सकता है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series ENROL NOW